भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1095

24 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

निवारक स्वास्थ्य देखभाल और गैर-संचारी रोगों का प्रबंधन

1095. डॉ. गुम्मा तनुजा रानी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विशेषकर आन्ध्र प्रदेश जैसे राज्यों में जहां जीवन-शैली संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं, निवारक स्वास्थ्य परिचर्या और गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन के साथ आयुष प्रणालियों के एकीकरण का कोई आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो आन्ध्र प्रदेश के लिए अनुमोदित संस्थानों, वित्तीय सहायता और कार्यक्रमों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): जनस्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में जहाँ जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ बढ़ रही हैं, निवारक स्वास्थ्य देखभाल और गैर-संचारी रोगों के प्रबंधन में आयुष पद्धतियों के एकीकरण के आकलन की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार की है। जैसा कि आंध्र प्रदेश राज्य सरकार द्वारा सूचना दी गई है, बढ़ती हुई जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से निपटने और निवारक देखभाल को बढ़ाने के लिए आयुष पद्धतियों के एकीकरण से संबंधित आकलन किया गया है। वर्तमान में, सम्पूर्ण राज्य में आयुष औषधालय उच्च रक्तचाप, मधुमेह और जीवनशैली संबंधित विकारों जैसे गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के प्रबंधन के लिए कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश राज्य के सभी आयुष चिकित्सा अधिकारियों द्वारा फील्ड स्तर पर औषधालय स्थित क्षेत्र और उसके आसपास के क्षेत्रों में सामुदायिक जागरूकता हेतु चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, आयुष मंत्रालय ने राज्य वार्षिक कार्य योजना (एसएएपी) के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार आंध्र प्रदेश राज्य में 126 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) [एएएम (आयुष)] को मंजूरी दी है और जैसा कि उनके द्वारा रिपोर्ट किया गया है, ये सभी कार्यशील हैं। ये एएएम (आयुष) उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसे गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) सहित विभिन्न सामान्य बीमारियों के लिए निवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक और पुनर्वास स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान केंद्रित करते हुए योग सहित आयुष सिद्धांतों और पद्धतियों के आधार पर समुदाय को एक समग्र कल्याण मॉडल प्रदान कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, आयुष सिद्धांतों और पद्धतियों के आधार पर जीवनशैली विकारों सहित सामान्य बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन पर व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए आंध्र प्रदेश राज्य में समर्पित आयुष जनस्वास्थ्य कार्यक्रमों जैसे ऑस्टियोआर्थराइटिस और अन्य मस्कुलोस्केलेटल विकारों की रोकथाम और प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, 'वयो मित्र': आयुष वृद्धावस्था स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं, 'आयुर्विद्या': स्कूली बच्चों के लिए आयुष

के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट, 'सुप्रजा': आयुष मातृ एवं नवजात शिशु उपचार, 'कारुण्या': आयुष उपशामक सेवाएं, तथा लिम्फैटिक फाइलेरियासिस (लिम्फोएडेमा) के रुग्णता प्रबंधन और विकलांगता निवारण (एमएमडीपी) के लिए आयुष पर राष्ट्रीय कार्यक्रम को भी स्वीकृति दी गई है। एनएएम के तहत, वर्ष 2014-15 से 2025-26 तक राज्य की अनुमोदित एसएएपी गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए आंध्र प्रदेश राज्य सरकार को ₹12,257.56 लाख की राशि जारी की गई है।

(ग): प्रश्न नहीं उठता।

*****